भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1967 का उत्तर

केरल में कायमकुलम और एर्नाकुलम के बीच रेलवे लाइन दोहरीकरण का लंबित कार्य

1967. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कायमकुलम और एर्णाकुलम के बीच लंबित रेल लाइन दोहरीकरण कार्य की खंड-वार और परियोजना-वार वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) उक्त दोहरीकरण कार्य विशेषकर भूमि अधिग्रहण, निधि आवंटन और निष्पादन संबंधी मुद्दों को पूरा करने में हुए विलंब के क्या कारण हैं;

(ग) इस परियोजना के लिए अब तक स्वीकृत, जारी की गई और उपयोग की गई कुल निधियों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा शेष कार्यों को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा का ब्यौरा क्या है और केरल में इस महत्वपूर्ण रेल गलियारे पर भारी यात्री घनत्व और परिचालनिक बाधाओं को देखते हुए इस परियोजना में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): एरणाकुलम और कायमकुलम दो मार्गों से जुड़े हुए हैं, पहला कोट्टयम के रास्ते और दूसरा अम्बलप्पुष़ा के रास्ते।

कोट्टयम के रास्ते पहला मार्ग पहले से ही दोहरी लाइन खंड है। जबकि अम्बलप्पुष़ा के रास्ते दूसरा मार्ग वर्तमान में आंशिक रूप से दोहरी लाइन और आंशिक रूप से एकल लाइन है। अम्बलप्पुष़ा के रास्ते एरणाकुलम से कायमकुलम तक दोहरी लाइन के निर्माण की स्थिति निम्नानुसार सारणीबद्ध है:

क्र.सं.	खंड	स्थिति
1	एरणाकुलम - कुंम्बलम - तुरवूर (23 किलोमीटर)	दोहरीकरण कार्य स्वीकृत। कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	तुरवूर - मारारिक्कुलम (21 किलोमीटर)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है।
3	मारारिक्कुलम - आलप्पुष़ा (12 किलोमीटर)	फील्ड सर्वेक्षण पूरा हो गया है। विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।
4	आलप्पुष़ा - अम्बलप्पुष़ा (13 किलोमीटर)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है
5	अम्बलप्पुष़ा - कायमकुलम (31 किलोमीटर)	पहले से ही दोहरी लाइन

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के बाद, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन अर्थात् नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से मूल्यांकन अपेक्षित होता है। चूंकि परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

<u>केरल:-</u>

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। केरल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं एवं संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	372 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2025-26	3,042 करोड़ रुपए (8 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, केरल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 266 किलोमीटर लंबी और ₹9,415 करोड़ लागत वाली 06 परियोजनाएँ (02 नई लाइन और 04 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई	कमीशन की गई लंबाई	शेष लंबाई जिसे पूरा किया जाना है	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	02	146 किलोमीटर	0 किलोमीटर	146 किलोमीटर	309
दोहरीकरण/बहुपथन	04	120 किलोमीटर	26 किलोमीटर	94 किलोमीटर	2,941
कुल	06	266 किलोमीटर	26 किलोमीटर	240 किलोमीटर	3,250

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली हाल ही में संपन्न की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1.	दिंडुक्कल-पोल्लाच्चि-पालघाट और पोल्लाच्चि-कोयम्बतूर आमान परिवर्तन (217 किलोमीटर)	1,360
2.	कोल्लम-तिरुनेलवेली-तिरूच्चेंदूर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1,122
3.	मुलंतुरुत्ती-कुरूप्पनत्तरा दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	303
4.	चेंगन्नूर-चिंगवनम दोहरीकरण (27 किलोमीटर)	436
5.	अम्बलप्पुष़ा-हरिप्पाड दोहरीकरण (18 किलोमीटर)	346
6.	कुरूप्पनतरा-चिंगवनम दोहरीकरण (27 किलोमीटर)	749

केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली शुरू की गई कुछ अन्य परियोजनाएं निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1.	तिरुन्नावाया-गुरुवायूर नई लाइन (35 किलोमीटर)	138
2.	अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन (111 किलोमीटर)	3,801
3.	एरणाकुलम-कुम्बलम दोहरी (8 किलोमीटर)	595
4.	कुम्बलम-तुरवूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (16 किलोमीटर)	803
5.	तिरुवनंतपुरम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	3,786
6.	षोरणूर - वल्लत्तोल दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	367

पिछले तीन वर्षों में (अर्थात् 2022-2023, 2023-2024, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26) केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले कुल 9 अदद सर्वेक्षण (3 नई लाइन और 6 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 1,124 किलोमीटर है, स्वीकृत किए गए हैं और सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है।

केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। केरल राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

केरल में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	476 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	65 हेक्टेयर (14%)
अधिग्रहण के लिए शेष भूमि	411 हेक्टेयर (86%)

रेलवे ने केरल सरकार के पास भूमि अधिग्रहण के लिए 1,975 करोड़ रुपए जमा किए हैं। भूमि अधिग्रहण कार्यों में तेजी लाने के लिए केरल सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन (111 किलोमीटर)	416	24	392
2.	एरणाकुलम-कुम्बलम कहीं-कहीं दोहरीकरण (8 किलोमीटर)	4	3	1
3.	कुम्बलम-तुरवूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (16 किलोमीटर)	10	9	1
4.	षोरणूर - वल्लत्तोल दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	5	0	5

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए पूरी तरह तैयार है, बहरहाल इसकी सफलता केरल सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की मंजूरी कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******